

# आदर्श कैसे चुनूँ

आप पहले क्या चुनेंगे—गुण या व्यक्ति? आप कुछ भी चुन सकते हैं, दोनों सही हैं।

# क

पहले आप वह गुण चुनिए जिसे आप बढ़ाना चाहते हैं, फिर ऐसा व्यक्ति चुनिए जिसे आप पसंद करते हैं और जिसमें वह गुण है।

*“मुझे अपना आदर्श चुनने में जिस बात से मदद मिली वह यह है कि मैंने खासकर उस गुण पर ध्यान दिया जिसे मैं अपने अंदर बढ़ाना चाहती थी और फिर उन लोगों पर ध्यान देने लगी जिन्होंने यह गुण अपने अंदर पैदा किया था।” —अलाना।*



## 1 गुण पहचानिए

**बाइबल सिद्धांत:**

“मैं अंधाधुंध यहाँ-वहाँ नहीं दौड़ता।”  
—1 कुरिंथियों 9:26.

आप किस गुण को बढ़ाना चाहते हैं?

.....

## 2 आदर्श चुनिए

**बाइबल सिद्धांत:**

“उन लोगों की मिसाल पर चलो जो विश्वास और सब्र रखने की वजह से वादों के वारिस बनते हैं।”  
—इब्रानियों 6:12.

हमउम्र साथियों, बड़े-बुजुर्गों या बाइबल के किरदारों में से किसी एक को चुनिए जिसमें वह गुण है जो आपने पहले कदम में पहचाना।



1. हमउम्र साथी

.....



2. एक बुजुर्ग

.....



3. बाइबल का किरदार

.....

# ख

पहले ऐसा व्यक्ति चुनिए जिसे आप पसंद करते हैं, फिर उसका वह गुण पहचानिए जो आपको बहुत भाता है।

“जब मैंने देखा कि मेरा दोस्त कैसे अपने खर्चों का हिसाब रखता है और हाथ रोककर पैसे खर्च करता है तो मुझे भी ऐसा करने का बढ़ावा मिला।”—कोलन।

## 1 आदर्श चुनिए

उन लोगों की सूची बनाइए जिन्हें आप पसंद करते हैं। इसमें आपके हमउम्र साथी, बड़े-बुजुर्ग और बाइबल के किरदार हो सकते हैं।



.....

.....

.....

.....

.....

## 2 गुण पहचानिए

अब हरेक का ऐसा गुण लिखिए जो आपको पसंद है।

व्यक्ति	गुण
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चाहे आप “क” चुनें या “ख,” तीसरा कदम एक जैसा ही रहेगा

# 3 गौर कीजिए, फिर मिसाल पर चलिए

## बाइबल सिद्धांत:

“उनके चालचलन के अच्छे नतीजों पर गौर करते हुए उनके विश्वास की मिसाल पर चलो।”—इब्रानियों 13:7.

मैं जो गुण बढ़ाने में मेहनत कर रहा हूँ, उसे मेरा आदर्श कैसे ज़ाहिर करता है?

---

---

---

मैं अपने आदर्श से क्या सवाल पूछना चाहूँगा?

---

---

---

---

## ध्यान दीजिए:

अगर आपका आदर्श बाइबल का किरदार है तो अपने सवालों के जवाब पाने के लिए आप खोजबीन कर सकते हैं।

इस हफ्ते मैं अपने आदर्श के नक्शे-कदम पर चलने के लिए क्या कर सकता हूँ?

---

---

---

## सुझाव

गुण बढ़ाने पर ध्यान दीजिए, न कि अपनी कामयाबियों की तुलना दूसरों से करने पर।  
—गलातियों 6:4.

